

15/2/24

पजावली पैर डई। वडील बादी उपर

वदर का मनन रिप। पजावली का

रिप वाड वादी स्वीकार रिप जाकर

शिण्दि पृथक से टंकि रिप जाकर खुले

नपापलध मे सुनाम गण। पजावली

सुमार हीउर से नम्वर से उम ही। दारिद

दफतर ही। अथ ए -

15/2/24